सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२०२६

कक्षा:पाँचवीं | विषय: हिंदी | पाठ:९ इतने ऊँचे उठो

प्रस्तुत पाठ के सभी शब्दार्थ अपने पाठ्य पुस्तक से याद कीजिए।

प्रश्नोत्तर

(क) मैं मेहनत से पढ़ूँगा। बड़ा होकर सब के दुख-दर्द को दूर करूँगा। भारत माता की सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दूँगा। अपने अच्छे कर्मों द्वारा मैं अपनी कीर्ति फैलाऊँगा।

(ख) हिमगिरि की चट्टानों की तरह मज़बूरी और झरनों के मीठे गाने की तरह मन की कोमलता होनी चाहिए।

(ग) वन में मुस्कुराने कर अर्थ है संकट में भी धैर्य धारण करना तथा दुख में भी मुस्कुराते रहना।

(घ) धरती की तरह अच्छा बनना चाहिए क्योंकि वह सबकी मदद करती है। धरती किसी से कुछ नहीं माँगती है। उसके अंदर सहनशीलता कूट कूट कर भरी होती है।

(ङ) प्रस्तुत कविता से सीख मिलती है कि हमें हमेशा मीठी वाणी बोलनी चाहिए। अच्छे संकल्पों के साथ सदैव अपने कर्तव्य-पथ चलते रहना चाहिए। हमें आलस में जीवन न बिताते हुए श्रम करना चाहिए। मन में त्याग और दान की भावना सदैव होनी चाहिए। हमें प्रकृति से सीख कर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए।

नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

१-कीर्ति

२-पताका

३-अंबर